आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 25.12.2025 **समय : 1905**

1. **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में संविधान के संथाली संस्करण विमोचन किया–संविधान अब संथाली भाषा में, ओल चिकी लिपि में उपलब्ध है।**
2. **प्रधानमंत्री मोदी ने आज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया।**
3. **प्रशासन की ओर से सुनामी की इक्कीसवीं बरसी पर कल 'सुनामी मेमोरियल' में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।**
4. **प्रशासन ने अंडमान लोक निर्माण विभाग के तहत दो सड़क परियोजनाओं के सुधार के लिए मंजूरी दे दी है।**

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में संविधान के संथाली संस्करण विमोचन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह सभी संथाली लोगों के लिए गर्व और खुशी की बात है कि संविधान अब संथाली भाषा में, ओल चिकी लिपि में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इससे लोग संविधान को अपनी भाषा में पढ़ और समझ सकेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस वर्ष ओल चिकी लिपि की शताब्दी मनाई जा रही है। उन्होंने शताब्दी वर्ष में ओल चिकी लिपि में संविधान लाने के लिए केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री और उनकी टीम की सराहना की। उपराष्ट्रपति सी.पी राधाकृष्णन और विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल इस अवसर पर उपस्थित थे। संथाली भाषा को बानब्बेवें संशोधन अधिनियम, दो हजार तीन के माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। यह भारत की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक है। यह भाषा झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में बड़ी संख्या में रहने वाले आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती है।

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल नई दिल्ली में वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करेंगी। महिला और बाल विकास मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष अट्ठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीस बच्चों को इसके लिए चुना गया है। इन्होंने वीरता, खेल और सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं। मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं को संबोधित करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि कार्यक्रम में वीरता, दृढ़ता और निस्वार्थ सेवा की घटनाओं का उल्लेख किया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। महिला और बाल विकास मंत्री, अन्नपूर्णा देवी भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि पिछले 11 सालों से उनकी सरकार समाज के हर नागरिक के कल्याण के लिए कड़ी मेहनत कर रही है और बिना किसी भेदभाव के उन्हें सभी योजनाओं का लाभ दे रही है। यह उचित शासन और सच्ची धर्मनिरपेक्षता का परिचायक है। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर लखनऊ में एक जनसभा में यह बात कही। उन्होंने लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। इस स्थल को स्वतंत्र भारत की महान हस्तियों की विरासत का सम्मान करने के लिए बनाया गया है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकारी योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ पहुंचाना उनकी सरकार का उद्देश्य है और अब करोड़ों गरीब नागरिकों को इसका लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कई ऐसी पहल कीं जिनसे देश के विकास का परिदृश्य बदल गया।

<><><><><><><>

गणतंत्र दिवस दो हजार छब्बीस के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। इस संबंध में दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अंडमान निकोबार कमान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह मरीना पार्क रोड में आयोजित किया जाएगा। जिला उपायुक्त ने सभी विभागों से समारोह के सफल आयोजन के लिए तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

<><><><><><><>

प्रशासन की ओर से छब्बीस दिसंबर को दो हजार चार की विनाशकारी सुनामी की इक्कीसवीं बरसी पर कल अबरडीन स्थित जल क्रीड़ा परिसर में सुनामी मेमोरियल' में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर उपराज्यपाल एडमिरल डी के जोशी स्मारक स्थल पर पुष्प अर्पित करेंगे। अन्य गणमान्य व्यक्ति भी दिवंगत

आत्माओं को श्रद्धांजलि देंगे। इस दौरान स्मारक स्थल पर एक 'सर्व धर्म प्रार्थना सभा' का आयोजन किया जाएगा। आम जनता, पंचायती राज संस्थानों, विभागाध्यक्षों और प्रशासन के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देने के लिए सुबह साढ़े सात बजे तक मुख्य समारोह स्थल पर उपस्थित रहने को कहा गया है।

<><><><><><><>

ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए भारत की सबसे प्रभावशाली योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की आज पच्चीसवीं वर्षगांठ है। पच्चीस दिसंबर, दो हजार को ग्रामीण क्षेत्रों का हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित करने के लिए इस योजना को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य कृषि, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाकर गरीबी उन्मूलन में मदद करना है।

<><><><><><><>

प्रशासन ने अंडमान लोक निर्माण विभाग के तहत दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के सुधार के लिए मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं में मंगलूटान जंक्शन से वंडूर बीच तक राज्य राजमार्ग–08 का उन्नयन शामिल है, जिसकी अनुमानित लागत नौ करोड़ चौरानब्बे लाख से अधिक है। सड़क की गुणवत्ता में सुधार होने से न केवल यात्रा सुगम होगी, बल्कि वंडूर क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। दूसरी परियोजना के अंतर्गत कलीकट में पंप हाउस से अय्यनार मंदिर तक ग्रामीण सड़क का सुधार कार्य शामिल है, जिसकी अनुमानित लागत दो करोड़ पचानब्बे लाख रूपये से अधिक है। यह परियोजना गाराचरामा और कालीकट के बीच संपर्क को मजबूत करेगी। कार्य पूरा होने के बाद प्रशासन इस मार्ग पर बस सेवाएं शुरू करने की भी योजना बना रहा है।

<><><><><><><>

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कल प्रयास JAC के सहयोग से कालीकट ग्राम पंचायत में एक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला न्यायाधीश नियाज आलम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी जयंत मुखर्जी ने POSH अधिनियम, 2013 के तहत महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, निषेध और रोकथाम) अधिनियम के बारे में जानकारी दी। इस दौरान मुख्य प्रावधानों और स्थानीय समिति के समक्ष शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। उन्होंने नागरिक विवादों, घरेलू हिंसा और मुकदमेबाजी की प्रक्रियाओं के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक करते हुए न्याय सुनिश्चित करने में विधिक सेवा प्राधिकरणों की भूमिका और उनके कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कालीकट ग्राम पंचायत प्रधान टी. यघंबरम, प्रयास के सलाहकार के. विजय कुमार और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। सत्र का समन्वय प्रयास की क्षेत्रीय प्रमुख मारिया शीला ने किया।

<><><><><><><>

नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत और नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत, समाज कल्याण निदेशालय की ओर से कल छोलदारी ग्राम पंचायत में शराब और नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस विभाग, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय और IRCA के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को मादक पदार्थों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और एक नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर अधिकारियों ने नशामुक्ति से जुड़े स्वास्थ्य, कानूनी और पुनर्वास पहलुओं पर प्रकाश डाला गया।

<><><><><><><>